

1446

4

जैन दर्शन के स्याद्धाद के सिद्धान्त पर निबंध लिखें।

7. Analyse the nature of Brahman according to Śaṅkara.

शंकराचार्य के अनुसार ब्रह्म के स्वरूप की व्याख्या दीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1446

F

Unique Paper Code : 2102201201

Name of the Paper : Introduction to Indian Philosophy

Name of the Course : B.A. (Prog.)

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

(1000)

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Discuss common characteristics in various Indian philosophical school.

विभिन्न भारतीय दार्शनिक सम्प्रदाय में सामान्य विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

2. Define Inference as a source of knowledge according to Nyāya Darśana.

न्याय दर्शन के अनुसार अनुमान प्रमाण को परिभाषित कीजिए।

3. Analyse and explain the role of Perception as Pramāṇa with reference to Nyāya Darśan.

न्याय दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष प्रमाण का विश्लेषण और व्याख्या दीजिए।

4. Explain Sāṅkhya theory of causation (satkāryavāda).

सांख्य दर्शन के कारणता के सिद्धांत (सत्कार्यवाद) की व्याख्या कीजिए।

5. Discuss the Buddhist theory of No Soul (Anātmavāda).

बौद्ध दर्शन के अनुसार अनात्मवाद के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

6. Write an essay on the theory of Syādvāda according to Jain Darśan.